Nai Dunia (Indore), 17th November 2019, *Nai Dunia Live*, Page-17

आईआईटी इंदौर में आयोजित दीक्षांत समारोह में अमेरिकी वैज्ञानिक जेफरी एस.कारगेल ने विद्यार्थियों को मेडल प्रदान किए

डिग्री मिलते ही उत्साह से खिल उठे विद्यार्थियों के चेहरे

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) इंदौर का सातवां दीक्षांत समारोह शनिवार को आयोजित हुआ। इसमें 275 डिग्री अवार्ड वितरित किए गए। इसमें 108 विद्यार्थी बीटेक, 29 एमटेक, 55 एमएससी और 83 विद्यार्थी पीएचडी के हैं। छह विद्यार्थियों को सिल्वर मेडल भी दिए गए। प्रेसीडेंट गोल्ड मेडल कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के राहुल चौधरी को दिया गया। छह सिल्वर मेडल भी विद्यार्थियों को दिए गए।

बेस्ट एकेडमिक परफॉर्मेंस फीमेल के लिए वनिता रेड्डी नैना को चुना गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एरिजोना, अमेरिका के द प्लेनेटरी साइंस इंस्टीट्यूट के सीनियर साइंटिस्ट जेफरी एस. कारगेल ने मेडल विद्यार्थियों को प्रदान किए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने आईआईटी में जो सीखा उसका उपयोग कर सोसाइटी को कुछ बेहतर देने की कोशिश करने पर ध्यान देना चाहिए।

युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे दुनिया को कैसे सुरक्षित रखें इस पर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रवींद्र नाथ टैगोर के जीवन से कई तरह की सीख मिलती है। सभी को उनकी बातें अमल में लाना चाहिए। मंच पर कार्यक्रम में संस्थान के बोर्ड ऑफ गवर्निंग के चेयरमैन डॉ. दीपक बी. फाटक और डायरेक्टर डॉ. प्रदीप माथुर उपस्थित थे।

प्रेसीडेंट गोल्ड मेडल प्राप्त राहुल के अलावा आईआईटी इंदौर के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग से पासआउट होने वाले ज्यादातर विद्यार्थी मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) में कॅरियर को आगे बढ़ाना चाहते हैं।

आईआईटी के सातवें दीक्षांत समारोह में जैसे ही अवार्ड सेरेमनी खत्म हुई वहां मौजूद विद्यार्थी कुछ इस तरह खुशी का इजहार कर रहे थे। कार्यक्रम के दौरान कई विद्यार्थियों के माता-पिता भी मौजूद थे। ● प्रफुल्ल चौरसिया 'आशु'

आईआईटी के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि एरिजोना, अमेरिका के द प्लेनेटरी साइंस इंस्टीट्यूट के सीनियर साइंटिस्ट जेफरी एस. कारगेल ने संस्थान के बोर्ड ऑफ गवर्निंग के चेयरमैन डॉ. दीपक बी. फाटक और डायरेक्टर डॉ. प्रदीप माथुर का हाथ जोड़कर अभिवादन करते कहा प्रणाम, जय हिंद।

मशीन लर्निंग में आगे की पढ़ाई करना चाहते हैं राहुल

राहुल चौधरी को प्रेसीडेंट ऑफ इंडिया गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। राहुल कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में बीटेक फाइनल ईयर में 9.65 सीजीपीए प्राप्त हुए हैं। राहुल का कैम्पस प्लेसमेंट बेंगलुरु की एक फाइनेंस संबंधित सॉफ्टवेयर बनाने वाली आईटी कंपनी में हो चुका है। राहुल मशीन लर्निंग टेक्नोलॉजी में मास्टर करना चाहते हैं। पिता ओम प्रकाश चौधरी पायलट है और मम्मी आभा चौधरी हाउसवाइफ हैं।

फैमिली के साथ राहुल। ● नईदुनिया

समारोह में छात्रा वनिता रेड्डी को सिल्वर मेडल मिला। ● नईदुनिया

विनीत की एआई में मास्टर करने की इच्छा

कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के ही शाह विनीत हारेश को बेस्ट ऑलराउंडर के लिए गोल्ड मेडल प्रदान किया गया है। यह मेडल एकेडमिक्स के साथ स्पोर्ट्स, इवेंट, कल्चर और अन्य गतिविधियों में हिस्सा लेकर बेस्ट प्रदर्शन करने वालों को दिया जाता है। विनीत एकेडमिक्स के साथ हर तरह की गतिविधि में हिस्सा लेते थे। इन्हें एकेडमिक्स में 9.01 सीजीपीआई प्राप्त हुए हैं। विनीत का कहना हैं बेंगलुरु के एक स्टार्टअप में प्लेसमेंट हुआ है। भविष्य में मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) में मास्टर करने की इच्छा है। विनीत के पिता हारेश शाह और माता मितेन शाह हैं।

विनीत शाह ● नईदुनिया

चंद्रयान-2 सफल ही माना जाएगा

साइंटिस्ट जेफरी एस. कारगेल ने पीएचडी करने के बाद 13 सालों तक यूएस जियालॉजिकल सर्वे के साथ काम किया है। इसके बाद 14 साल तक वे यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना में रहे। 2018 में वे प्लेनेटरी साइंस इंस्टीट्यूट के साथ काम कर रहे हैं। जेफरी ने पर्यावरण पर बात करते हुए कहा कि ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे है। इसका सभी देशों पर असर होगा। मंगल ग्रह पर जीवन की संभावना पर व्यक्तिगत मत अभी नहीं दे सकता। इसरो के चंद्रयान-2 अभियान पर उन्होंने कहा कि भारत ने इसे लांच कर ताकत दिखाई है। दूसरे देश गुपचुप तरीके से यान लांच कर देते हैं, लेकिन भारत ने पूरी दुनिया को दिखाते हुए इसे लांच किया है। मेरी नजर में चंद्रयान-2 को सफल ही माना जाएगा, क्योंकि यह कुछ सेकंड की दूरी से लैंडिंग करने से रह गया। टाइमिंग, मॉनिटरिंग और कई स्तर पर देखना चाहिए कि ऐसा क्यों हुआ।

सिंगल यूज प्लास्टिक बंद करने के साथ इसे रिसाइकल करना चाहिए

कारगेल ने नेपाल में आए 7.8 मैग्निट्यूड के गोरखा भूकंप के इमरजेंसी रिस्पांस के लिए नासा के साथ मिलकर काम किया था। उन्होंने कहा कि काठमांडू में सिग्नल यूज प्लास्टिक बैन को काम हुआ है। सिंगल यूज प्लास्टिक को बंद करना ही एकमात्र समाधान नहीं है। इसके साथ प्लास्टिक को रिसाइकल करने के लिए भी सिस्टम बनाया जाना चाहिए। वायु प्रदूषण को लेकर उन्होंने कहा कि दिल्ली जैसे शहर में प्रदूषण होने से विदेशों में यह मान लिया जाता है कि भारत में दिल्ली जैसी ही स्थिति होगी, जबकि ऐसा नहीं है। इसके कारण से भारत के टूरिज्म क्षेत्र पर असर पड़ रहा है।